रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) :

(क) वर्ष 1990-91 के लिए प्रति शाहन कि० मी० की दर्जा-वार लागत (नवीनतम उपलब्ध आंकड़े) नीचे दिए गये हैं:—

(आंकड़े रुपयों में)

मेल/एक्सप्रेस सेवाएं

दर्जा	ब० ला०	मी० ला०
1	2	3
वातानुकूलित पहला दर्जा	4.73	4.53
पहला दर्जा	3.64	4.58
वातानुकूलित शयनयान	4.38	9.29
वातानुकूलित कुर्सीयान	4.18	5.71

(ख) उत्पादन यूनिटों में चालू वर्ष में अप्रैल, 92 से अक्तूबर, 92 तक विभिन्न किस्म के अड़तीस (38) वातानुकूल सवारी डिब्बों का निर्माण किया गया है। चालू वर्ष में पहले दर्जे के सवारी डिब्बों के निर्माण की योजना नहीं है।

(ग) इन सभी सवारी डिब्बों का देश में ही उपयोग किया जा रहा है और ये सवारी डिब्बे निर्यात नहीं किए गए हैं।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

उत्तर प्रदेश में रेलवे लाइन का बदला जाना

1516. **श्री राम नरेश यादव** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आगामी वर्ष में उत्तर प्रदेश में कितनी छोटी लाइनों के बड़ी लाइनों में बदले जाने की संभावना है और इस योजना के अंतर्गत किन-किन क्षेत्रों को शामिल किया गया है;

(ख) उसी अवधि के दौरान कितनी नई रेलवे लाइनें बिछाये जाने को मंजूरी दी गयी है, तथा उसका क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) मऊ/शाहगंज की नई रेलवे लाइन पर कार्य कब से प्रारंभ हो जाने की संभावना है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) :

(क) संभवत: इस प्रश्न का आशय मीटर लाइन से है।

1. अगले एक वर्ष के दौरान उत्तर प्रदेश में निम्नलिखित मीटर लाइनों को बदले जाने की संभावना है :—

1. मुरादाबाद-बीजेडु
2. मनकापुर-कटरा
3. इलाहाबाद-वाराणसी,
4. लखनऊ-कानपुर, और
5. लालकुआ-काठगोदाम

(ख) अगले एक वर्ष के दौरान निम्नलिखित नई लाइनों को पूरा किये जाने की संभावना है :—

1. मथुरा-डीग और
2. रामपुर-हल्दवानी

(ग) आठवीं योजना के दौरान।

रेलवे की बेकार पड़ी भूमि पर वाणिज्यिक इमारतों का निर्माण

1517. **श्री राम सिंह राठवा** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :—

(क) क्या यह सच है कि सरकार रेलवे की बेकार पड़ी भूमि पर वाणिज्यिक इमारतें बनाये जाने पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) तीन सदस्यों वाली समिति ने इस कार्य हेतु जिन स्थानों का पता लगाया है, वे कौन-कौन से हैं; और

(घ) सरकार द्वारा इन स्थानों पर वाणिज्यिक इमारतें बनाये जाने हेतु क्या प्रयास किये गये हैं ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमल्लिकार्जुन)

(क) और (ख) : रेलवे भूमि के ऊपर के खाली स्थान के वाणिज्यिक दोहन का प्रस्ताव अवधारण के चरण में है। इसमें इमारतों के निर्माण की परिकल्पना की गई है जिनके